कक्षा-X हिंदी 'ब'
कोड संख्या-085
प्रश्न-पत्र प्रारूप

प्रश्नों के प्रकार	खंड 'क' अपठित बोध	खंड 'ख' रचना	खंड 'ग' व्यावहारिक व्याकरण	खंड 'घ' पाठ्य-पुस्तकें	विशेष टिप्पणी
अतिलघूत्तरात्मक	गद्यांश 6(5) काव्यांश 6(6)		शब्द, पद और पदबंध-4(3) वाक्य-4(2) संधि, समास-4(2) मुहावरे एवं लो. -4(2) वाक्यशोधन-4(1)	काव्य सराहना 5(5)	भावबोध संबंधी भावबोध संबंधी बोध और प्रयोग बोध और प्रयोग बोध और प्रयोग बोध और प्रयोग
लघूत्तरात्मक प्रश्न	गद्यांश 6(6) काव्यांश 2(1)			काव्यांश 6(1) काव्य खंड 9(3) गद्यांश 6(1) गद्य खंड 9(3) गद्य खंड 5(2) संचयन 6(3)	अबोध और अभिव्यक्ति भाव ग्रहण संबंधी चिंतन संबंधी चिंतन संबंधी चिंतन संबंधी चिंतन संबंधी
निबंधात्मक प्रश्न		पत्र 5(1) अनुच्छेद 5(1)		पूरक पुस्तक संचयन 4(1)	लेखन और अभिव्यक्ति लेखन और अभिव्यक्ति बोध, चिंतन, लेखन और अभिव्यक्ति बोध, चिंतन, लेखन और अभिव्यक्ति

नोट : प्रश्न संख्या कोष्ठक के भीतर और अंक कोष्ठक के बाहर हैं।

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-1
कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'ब')

समय: 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	20
1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**	12
1.	परिर्वतन प्रकृति का नियम है और परिवर्तन ही अटल सत्य है। अत: पर्यावरण में भी परिवर्तन हो रहा है लेकिन वर्तमान समय में चिंता की बात यह है कि जो पर्यावरणीय परिवर्तन पहले एक शताब्दी में होते थे, अब उतने ही परिवर्तन एक दशक में होने लगे हैं। पर्यावरण परिवर्तन की इस तेजी का कारण है विस्फोटक ढंग से बढ़ती आबादी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी उन्नति और प्रयोग तथा सभ्यता का विकास। आइए, हम सभी मिलकर यहाँ दो प्रमुख क्षेत्रों का चिंतन करें एवं निवारण विधि सोचें।	
2.	पहला है ओजोन की परत में कमी और विश्व के तापमान में वृद्धि। ये दोनों क्रियाएँ परस्पर संबंधित है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंतिम शतकों में सुपरसोनिक वायुयानों का ईजाद हुआ और वे ऊपरी आकाश में उड़ाए जाने लगे। उन वायुयानों के द्वारा निष्कासित पदार्थों में उपस्थित नाइट्रिक ऑक्साइड के द्वारा ओजोन परत का क्षय महसूस किया गया। यह ओजोन परत वायुमंडल के समताप मंडल या बाहरी घेरे में होता है।	
3.	आगे शोध द्वारा यह भी पता चला कि वायुमंडल की ओजोन परत पर क्लोरो-फ्लोरो कार्बंस प्रशीतक पदार्थ, नाभिकीय विस्फोट इत्यादि का भी दुष्प्रभाव पड़ता है। ओजोन परत जीवमंडल के लिए रक्षा-कवच है, जो सूर्य की पराबैंगनी किरणों के विकिरण को रोकता है जो जीवमंडल के लिए घातक है। अत: इन रासायनिक गैसों द्वारा ओजोन की परत की हो रही कमी को ब्रिटिश वैज्ञानिकों द्वारा 1978 में गुब्बारों और रॉकेटों की मदद से अध्ययन किया गया। अत: नवीनतम जानकारी के मुताबिक अंटार्कटिका क्षेत्र के ऊपर ओजोन परत में बड़ा छिद्र पाया गया है जिससे हो सकता है कि सूर्य की घातक विकिरण पृथ्वी की सतह एक पहुँच रही हो और पृथ्वी की सतह गर्म हो रही हो। भारत में भी अंटार्कटिका स्थित अपने अड्डे, दक्षिण गांगोत्री से गुब्बारों द्वारा ओजोन मापक यंत्र लगाकर शेध कार्य में भाग लिया।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
4.	क्लोरो-फ्लोरो कार्बंस रसायन सामान्य तौर पर निष्क्रिय होते हैं, पर वायुमंडल के ऊपर जाते ही उनका विच्छेदन हो जाता है। तकनीकी उपकरणों द्वारा अध्ययन से पता चला है कि पृथ्वी की सतह से क्लोरो-फ्लोरो कार्बंस की मात्रा वायुमंडल मे 15 मिलियन टन से भी अधिक है। इन कार्बंस के अणुओं का वायुमंडल में मिलन अगर आज से भी बंद कर दें, फिर भी उनकी उपस्थिति वायुमंडल में आने वाले अनेक वर्षों तक बनी रहेगी। अत: क्लोरो-फ्लोरो कार्बंस जैसे रसायनों के उपयोग रप हमें तुरंत प्रतिबंध लगाना होगा, ताकि भविष्य में उनके और ज्यादा अणुओं के बनने का खतरा कम हो जाए।	
5.	वैसे यह सुकून की बात है कि हर स्थान पर ओजोन परत में छेद नहीं हो सकता है। आर्कटिका और अंटार्कटिका में ओजोन परत में छिद्र बनने के ज्यादा आसार हैं, क्योंकि यहाँ ध्रुवीय चक्रवात होते हैं जो क्लोरो-फ्लोरो कार्बंस कें अणुओं को अपनी ओर खींच लेते हें, और ये अणु उतनी ऊँचाई पर पहुँचकर ओजोन परत की गैस से अभिक्रिया कर छिद्र बनाते हैं।	
1.	प्रस्तुत गद्यांश को उपयुक्त शीर्षक लिखिए।	1
2.	कोई दो कारण लिखिए जिनसे पर्यावरण तेजी से परिवर्तित हो रहा है?	2
3.	ओजोन परत के क्षय (नुकसान) होने का क्या कारण है?	1
4.	सूर्य की घातक किरणों से हम कैसे बचते हैं?	1
5.	आजकल पृथ्वी की सतह क्यों गर्म हो रही है?	1
6.	क्लोरो-फ्लोरो कार्बंस रसायन सामान्य तौर पर निष्क्रिय क्यों हो जाते हैं?	1
7.	ध्रुवीय चक्रवात किसको अपनी ओर खींचते हैं?	1
8.	विस्फोटक तथा आबादी - (अनुच्छेद-1) शब्दों में से प्रत्यय अलग-अलग कीजिए।	1
9.	नवीनतम, उपस्थिति शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए।	1
10.	पृथ्वी और सूर्य के दो-दो पर्यायवाची लिखिए।	2
2	**निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**	**8**
	हम जंग न होने देंगे! विश्व शांति के हम साधक हैं, जंग न होने देंगे! कभी न खेतों में फिर खूनी खाद फलेगी, खलिहानों में नहीं मौत की फसल खिलेगी	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा, एटम में नागासाकी फिर नहीं जलेगी, युद्धविहीन विश्व का सपना भंग न होने देगें। जंग न होने दंगे। हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा, मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा कफन बचेने वालों से कह दो चिल्लाकर दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा कामयाब हो उनकी चालें, ढंग न होने देंगे। जंग न होने देंगे। हमें चाहिए शांति, जिन्दगी हमको प्यारी हमें चाहिए शांति, सृजन की है तैयारी हमने छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से आगे आकर हाथ बटाए दुनिया सारी। हरी-भरी धरती को खूनी रंग न लेने देंगे। जंग न होने देंगे। भारत-पाकिस्तान पड़ोसी, साथ-साथ रहना है, प्यार करें या वार करें, दोनों को ही सहना है, तीन बार लड़ चुके लड़ाई, कितना मँहगा सौदा, रूसी बम हो या अमेरिकी, खून एक बहना है। जो हम पर गुजरी बच्चों के संग न होने देंगै जंग न होने देंगे। (साभार - मेरी इक्यावन कविताएँ - अटल बिहारी वाजपेयी)	
(i)	कविता का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
(ii)	विश्व शांति के लिए क्या आवश्यक है?	1
(iii)	'एटम-बम से नागासाकी फिर नहीं जलेगी' - का भाव स्पष्ट कीजिए।	1
(iv)	कफन बचेने वालों के दो अन्य कार्य क्या है?उल्लेख करें।	1
(v)	कवि विश्व-शांति की बात क्यों कर रहा है?	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(vi)	भूख और बीमारी–दुनिया की सबसे बड़ी समस्या है, जिससे जंग छेड़ने की आवश्यकता है – भाव से संबंधित पंक्ति बताएं।	1
(vii)	कविता के अंतिम काव्यांश में निहित भावों का उल्लेख करें।	2
	अथवा जब गीतकार मर गया, चाँद रोने आया, चाँदनी मचलने लगी कफन बन जाने को। मलयानिल ने शव को कंधों पर उठा लिया, वन में भेजे चंदन–श्रीखंड जलाने को। सूरज बोला, यह बड़ी रोशनीवाला था, मैं भी न जिसे भर सका कभी उजियाली से, रँग दिया आदमी के भीतर की दुनिया को इस गायक ने अपने गीतों की लाली से! बोला बूढ़ा आकाश ध्यान जब यह धरता, मुझ में यौवन का नया वेग जग जाता था। इसके चिंतन में डुबकी एक लगाते ही, तन कौन कहे, मन भी मेरा रंग जाता था। देवों ने कहा, बड़ा सुख था इसके मन की गहराई में डूबने और उतराने में। माया बोली, मैं कई बार थी भूल गयी अपने को गोपन भेद इसे बतलाने में। योगी था, बोला सत्य, भागता मैं फिरता, यह जाल बढ़ाये हुए दौड़ता चलता था। जब–जब लेता यह पकड़ और हँसने लगता, धोखा देकर मैं अपना रूप बदलता था। मर्दों को आयीं याद बाँकपन की बातें, बोले, जो हो, आदमी बड़ा अलबेला था। जिस के आगे तूफान अदब से झुकते हैं, उसको भी इसने अहंकार से झेला था। (साभार–संचयिता–दिनकर)	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(i)	कविता का उचित शीर्षक बताइए।	1
(ii)	चाँद के रोने का कारण क्या था?	1
(iii)	चंदन और श्रीखंड की क्या विशेषता है?	1
(iv)	गीतकार की याद आने पर आकाश में होने वाले परिवर्तन को लिखें।	1
(v)	गीतों में डूबना और उतराना अच्छा लगता है - के अर्थ से संबंधित पंक्ति का चयन कीजिए।	1
(vi)	गीतकार की मृत्यु पर मर्दो की क्या प्रतिक्रिया थी?	1
(vii)	कवि ने प्रस्तुत कविता के माध्यम से क्या संदेश दिया है?	2
	खण्ड - ख	**10**
3.	**भूमिगत वाहन खड़ी करने की व्यवस्था एवं लाभों से अवगत कराते हुए 'नवभारत टाइम्स- के संपादक को पत्र लिखिए।**	
	या	
	अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खोलने की प्रार्थना करते हुए शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखिए।	5
4.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए**	
क.	**मेट्रो रेल : महानगरीय जीवन का सुखद सपना** • यातायात की तीव्रतम साधन • रेल की व्यवस्था • मेट्रो रेल के लाभ • महानगरीय जीवन हेतु सुखद	
ख.	**प्लास्टिक की दुनिया** • कृत्रिम पदार्थों में से एक • इसके गुण • प्लास्टिक के क्षेत्र (प्रयोग हेतु) • इसके दोष	
ग.	**इंटरनेट : एक संचार क्रांति** • अर्थ • संचार जगत में क्रांति • ज्ञान का भंडार • शिक्षा में सहायक • दोष एवं प्रभाव	5

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
		खंड - ग	**20**
5.	**क.**	**'पुस्तक' शब्द को पद और पदबंध रूप में प्रयोग करते हुए एक-एक वाक्य बनाइए।**	**1**
	ख.	**निम्नलिखित में से रेखांकित पदबधों के नाम लिखिए -**	**2**
	(i)	<u>घर से भाग कर आया हुआ लड़का</u> पकड़ा गया।	
	(ii)	दिन-रात परिश्रम करने वाले <u>सफल हो जाते हैं</u>।	
	ग.	**रेखांकित का पद-परिचय दीजिए -**	**1**
		रोगी <u>धीरे-धीरे</u> चल रहा था।	
6.	**क.**	**रचना के आधार पर वाक्य का भेद कीजिए**	**4**
	(i)	ऐसा कौन होगा जिसने कल्पना चावला का नाम न सुना हो	
	(ii)	सूर्योदय के साथ ही प्रकृति का रूप निखर उठा।	
	ख.	**निर्देशानुसार वाक्य रचना कीजिए**	**2**
	(i)	स्वादिष्ट पकवान देख कर मेरे मुँह में पानी आ गया। (मिश्र वाक्य)	
	(ii)	उसे पुस्तकें खरीदनी थीं इसलिए वह बाजार गया। (सरल वाक्य)	2
7.	**क.**	**निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -**	
	(i)	जल+ऊर्मि, सु+आगत (संधि कीजिए।	1
	(ii)	भाग्योदय, यथेष्ट (संधि विच्छेद कीजिए)	1
	(iii)	त्रिलोचन (समास का विग्रह करके समास का नाम बताइए)	1
	(iv)	हमारे घर में आज <u>नवग्रह</u> पूजन है। (रेखांकित पद के समास का नाम बताइए)	
8.	**क.**	**निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए -**	**4**
	(i)	रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने पर इंस्पेक्टर के .... लगीं।	
	(ii)	विद्यालय से अनुशासनहीनता की शिकायत सुनकर माता ने पुत्र को .... लिया।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	ख. निम्नलिखित में से लोकोक्तियों को छाँट कर लिखिए -	**2**
	(i) गंगा गए गंगा दास जमना गए जमना दास	
	(ii) निन्यानबें के फेर में पड़ना	
	(iii) दबे पाँव निकल जाना	
	(iv) चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए	
9.	**निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए**	**4**
	(i) सभा में अनेकों लोग उपस्थित थे।	
	(ii) पिता जी हवाई जहाज पर आएँगे।	
	(iii) कृपया करके मेरे पुत्र के विवाह में आने की कृपा कीजिए।	
	(iv) भीष्म आजीवन भर तड़पते रहे।	
	खंड - घ	**50**
10.	**निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**	
	जलते नभ में देख असंख्यक, स्नेहहीन नित कितने दीपक, जलमय सागर का उर जलता, विद्युत ले घिरता है बादल। विहँस-विहँस मेरे दीपक जल।	
1.	कवि तथा कविता का नाम लिखिए।	1
2.	आकाश में तारों को स्नेहहीन क्यों कहा गया है?	1
3.	जलमय सागर का हृदय जलने से क्या अभिप्राय है?	2
4.	‘दीपक’ किसका प्रतीक है?	1
5.	कवयित्री ने दीपक को विहँस-विहँस जलने को क्यों कहा है?	1
	अथवा	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्तीमाला। बिन्दरावन में घेनु-चरावे, मोहन मुरलीवाला। ऊँचा ऊँचा महल बणावं, बिच-बिच राखूं बारी। साँवरिया रा दरसण पास्यूँ पहर कुसुम्बी साड़ी। आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीराँ।	
1.	कवि तथा कविता का नाम लिखिए।	1
2.	प्रस्तुत पद में कवयित्री ने अपने आराध्य को किस रूप में याद किया है?	1
3.	कवयित्री ने विन्दरावन के बारे में क्या कहा है?	1
4.	वे कृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या करने को तैयार है?	1
5.	कवयित्री प्रभु से क्या अनुरोध कर रही है?	1
6.	निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए। दरसण, कुसुम्बी	1
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** (3+3+3) 1. कबीर के अनुसार निदंक कौन होता है?उन्होंने उसे अपना सबसे बड़ा शुभचिंतक क्यों माना है? 2. गोपियों द्वारा कृष्ण की मुरली छिपा देने के पीछे उनकी कौन सी भावना परिलक्षित होती है? वे कृष्ण को रोके रखने के लिए और क्या-क्या करती हैं? 3. 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है? 4. पर्वत प्रदेश में पावस के दृश्यों को कवि ने 'इंद्रजाल' क्यों कहा है?	9
12.	**क. 'तोप' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।**	**3**
	ख. सीता रूपी भारत माता की रक्षा के लिए कवि देश के युवाओं से क्या अपेक्षाएँ रखता है और क्यों?	**2**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
13.	**निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**	
	व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं। पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं?खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।	
क.	पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।	1
ख.	व्यवहारवादी लोगों के स्वभाव की विशेषताएँ क्या होती है?	2
ग.	कौन सा काम केवल आदर्शवादी लोग ही कर पाते हैं।	2
घ.	समाज को आदर्शवादी लोगों ने क्या दिया है?	1
	अथवा	
	उसके अफ़साने सुनके रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं। अंग्रेजों के खिलाफ़ उसके दिल में किस क़दर नफ़रत है। कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी। मगर इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेजी असर से बिलकुल पाक कर देने में तक़रीबन कामयाब हो गया था।	
क.	किसके अफ़साने सुन कर किसे रॉबिन हुड के कारनामे याद आ जाते हैं और क्यों?	2
ख.	वज़ीर अली ने कितने महीने हुकुमत की?इसके पीछे उनका उद्देश्य क्या था?	2
ग.	अर्थ लिखें :	
	खिलाफ़, हुकूमत, पाक, कामयाब	2
14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** 3+3+3	9
क.	आदर्श स्थिति बनाए रखने के लिए बड़े भाई साहब का बचपना कैसे तिरोहित हो जाता है?	
ख.	डॉ. दासगुप्ता जुलूस में घायल लोगों की देख-रेख के साथ-साथ और क्या कर रहे थे तथा क्यों?	
ग.	शैलेंद्र के गीतों की क्या विशेषताएँ हैं?अपने शब्दों में लिखिए।	
घ.	यह जानने के बाद कि कुत्ता जनरल साहब के भाई का है, ऑचुमेलॉव के विचारों में क्या	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	परिवर्तन आया?	
15.	**क. आपके विचार से बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा?**	3
	ख. ततॉंरा में ऐसी कौन सी विशेषताएँ थीं जिसके कारण निकोबारी उसे पसंद करते थे?	2
16.	**''मैं मर जाऊँगा, लेकिन जीते जी एक धूर जमीन भी तुम्हें नहीं लिखूँगा -- तुम सब ठाकुरवारी के महंत-पुजारी से तनिक भी कम नहीं'' - इस कथन के आलोक में आप हरिहर काका की पीड़ा से कहाँ तक सहमत हैं?**	4
	या	
	साम्प्रदायिक सद्‌भाव हेतु टोपी और इफ्फ़न जैसी दोस्ती वर्तमान समय में आवश्यक है। तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।	
17.	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** **(3x2)**	6
क.	विद्‌यार्थियों को अनुशासन में रखने हेतु वर्तमान में स्वीकृत मान्यताओं पर अपने विचार प्रकट कीजिए। 'सपने के-से दिन' पाठ के सन्दर्भ में लिखिए।	
ख.	'प्रेम न जाने जात-पात, प्रेम न जाने खिचड़ी-भात' - पंक्ति का अर्थ 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	
ग.	हरिहर काका यदि विवाहित होते तो परिवार के सदस्यों के साथ उनके संबंध कैसे होते?	
घ.	टोपी जैसे बच्चों के लिए आप क्या कहना चाहेंगे?	

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-1
कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'ब')

समयः 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	
1	1. शीर्षक - 'पर्यावरणीय परिवर्तन'।	1
	2. (प) विस्फोटक ढंग से बढ़ती आबादी।	
	(पप) वैज्ञानिक एवं तकनीकी उन्नति और प्रयोग इन दोनों के कारण पर्यावरण तेजी से परिवर्तित हो रहा है।	2
	3. वायुयानों के द्वारा निष्कासित पदार्थों में नाइट्रिक ऑक्साइड ओजोन परत के क्षय का कारण है।	1
	4. हम ओजोन परत रूपी रक्षाकवच से सूर्य की घातक किरणों से बच सकते हैं।	1
	5. आजकल पृथ्वी की सतह इसलिए गर्म हो रही है क्योंकि नवीनतम जानकारी के अनुसार अंटार्कटिका क्षेत्र के उपर ओजोन परत में बड़ा छिद्र पाया गया है।	1
	6. क्लोरो-फ्लोरो कार्बन रसायन सामान्य तौर पर वायुमंडल के उपर जाते ही इनमें विच्छेदन हो जाने से निष्क्रिय हो जाते हैं।	1
	7. ध्रुवीय चक्रवात क्लोरो-फ्लोरो कार्बंस के अणुओं को अपनी ओर खींचते हैं।	1
	8. विस्फोटक 'क', 'ई' (अनुच्छेद-1)	1
	9. पुरातन, अनुपस्थिति	1
	10. पृथ्वी - धरा, धरती। सूर्य-सूरज, रवि	2
2	(i) 'जंग न होने देंगे' (भाव से संबंधित अन्य शीर्षक भी)	
	(ii) युद्ध की समस्या पर विचार करना आवश्यक है।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(iii) युद्ध के कारण जापान का नागासाकी शहर तबाह हो गया था। एटम बम से फिर कोई दूसरा शहर न जले।	1
	(iv) कफन बेचेने वालों के दो अन्य काम है –	1
	हथियारों को तैयार करना	
	बम बनाना, धोखा देना।	
	(v) युद्ध ने मनुष्य के संसार को वीरान बना दिया है। कवि को जीवन और सृजन युद्ध से ज्यादा प्यारी है।	1
	(vi) 'हमने छेड़ी जंग भूख से बीमारी से'	1
	(vii) आंतरिक वैमनस्य भुलाने की आवश्यकता है। सभी को साथ रहकर काम करने की आवश्यकता। आपसी लड़ाई से दूसरों को फायदा। परिणाम आने वाली पीढ़ी को भुगतना होता है।	2
	(किन्हीं दो बिंदुओं पर अंक देना अनिवार्य)	
	अथवा	
	(i) गीतकार (संबंधित अर्थ वाला अन्य शीर्षक भी)	1
	(ii) गीतकार की मृत्यु के कारण चाँद रोने लगा।	1
	(iii) चंदन और श्रीखंड विशेष प्रकार की लकड़ी है। यह सुगंधित होती है। धार्मिक कार्यों में इसका उपयोग होता है।	1
	(iv) गीतों को सुनकर आकाश जवान हो जाता है। वह बाहर और भीतर से ऊर्जावान महसूस करने लगता है।	1
	(v) देवों ने कहा बड़ा सुख था इसके मन की गहराई में डूबने और उतराने में।	1
	(vi) मर्दों ने गीतकार की प्रशंसा की। गीतकार को अलबेला आदमी, सहनशील तथा स्वाभिमानी बताया है।	1
	(vii) गीतकार के महत्व को प्रतिपादित किया है। जीवित व्यक्ति से सीखना आवश्यक है। गीत का संबंध भावनाओं से है। भावना मनुष्य के विकास में सहायक होता है। प्रकृति,	

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
		मनुष्य तथा अन्य उदाहरण द्वारा कवि ने गीत तथा गीतकार के महत्व को समझने का संदेश दिया है।	2
		(विद्यार्थियों के विचार स्वीकार्य है)	
		खण्ड - ख	
3.	क.	आरंभिक एवं समापन औपचारिकताएँ	1
	ख.	विषय वस्तु	3
	ग.	भाषीय शुद्धता	1
4.	क.	विषय वस्तु	2
	ख.	अभिव्यक्ति	2
	ग.	भाषीय शुद्धता	1
		खण्ड - ग	
5.	क.	मोहन पुस्तक पढ़ता है। (पद)	
		मोहन मनोरंजक कहानियों वाली हिन्दी की पुस्तक पढ़ता है। (पदबंध)	1
		(कोई भी उपयुक्त वाक्य)	
	ख.	(i) संज्ञा पदबंध	2
		(ii) क्रिया पदबंध	
	ग.	क्रिया विशेषण, रीति वाचक, 'चलना' क्रिया की विशेषता	1
6.	क.	(i) मिश्र वाक्य	2
		(ii) सरल वाक्य	
	ख.	(i) जैसे ही मैंने स्वादिष्ट पकवान देखा, मेरे मुँह में पानी आ गया	2

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
		या	
		जब मैंने स्वादिष्ट पकवान देखा तो मेरे मुँह में पानी आ गया।	
		(ii) वह पुस्तकें खरीदनें के लिए बाजार गया।	
7.	क.	जलोर्मि, स्वागत	1
	ख.	भाग्योदय, यथेष्ट	1
	ग.	तीन हैं, लोचन जिसके अर्थात् शिव (बहुब्रीहि समास)	1
	घ.	द्विगु समास	1
8.	क.	(i) चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगीं	2
		(ii) आड़े हाथों लिया	
	ख.	(i) गंगा गए गंगादास जमना गए जमनादास	2
		(ii) चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए	
9.	क.	सभा में अनेक लोग उपस्थित थे।	1
	ख.	पिता जी हवाई जहाज से आएँगे।	1
	ग.	कृपया मेरे पुत्र के विवाह में आइए।	1
		या	
		मेरे पुत्र के विवाह में आने की कृपा कीजिए।	
	घ.	भीष्म आजीवन तड़पते रहे।	1
		या	
		भीष्म जीवन भर तड़पते रहे।	
10.	1.	कविता – मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, कवयित्री – महादेवी वर्मा	1
	2.	आसमान में असंख्य तारे चमकते रहते हैं परन्तु उनमें तेज का अभाव है। ऐसा लगता है मानो उनमें स्नेह का तेज नहीं है।	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	3. जलमय का अर्थ है – जल से भरा हुआ। सागर में अथाह जल होता है परन्तु खारेपन के कारण वह पीने के काम नहीं आता किन्तु यही पानी धूप व ताप सहकर बादल का निर्माण करता है। यही बादल बरसकर पृथ्वी की प्यास बुझाते हैं।	2
	4. 'दीपक' आस्था और विश्वास का प्रतीक है, जो आगे बढ़ने में सहायक होता है।	1
	5. दूसरों के जीवन में सुख और प्रसन्नता को व्यक्त करने के लिए कवयित्री ने दीपक को विहँस-विहँस जलने को कहा है।	1
	अथवा	
	1. कवयित्री–मीराबाई	
	कविता – पद	1
	2. सगुण साकार मोहन मुरली वाले के रूप में याद किया है।	1
	3. वृन्दावन में कृष्ण मुरली बजाते हुए गाय चराने जाते हैं।	1
	4. कृष्ण को पाने के लिए मीरा ऊँचे-ऊँचे महल बनाकर उनमें खिड़कियाँ रखना चाहती हैं जिनसे वह अपने साँवरिया का दर्शन कर सकें।	1
	5. मीरा आधी रात को अपने प्रभु से यमुना तट पर दर्शन देने का अनुरोध करती है।	1
	6. दर्शन, केसरिया	1
11.	1. निंदक का कार्य हमेशा लोगों की निंदा करना होता है। कबीर के अनुसार हमें सहनशील होकर अपनी निंदा सुननी चाहिए। जब निंदक उँगली उठकर हमारी गलतियों के प्रति सचेत करता है तब हम अपने व्यवहार संबंधी दोषों के प्रति सतर्क हो जाते हैं और उसे सुधारने का प्रयास करते हैं।	3
	2. गोपियाँ श्रीकृष्ण को देर तक अपने पास रोके रखना चाहती हैं इसलिए वे कृष्ण की मुरली छिपा देती है। उन्हें कृष्ण से बातें करने का लालच है। इससे गोपियों का कृष्ण के प्रति प्रेम व मुरली के प्रति ईर्ष्या की भावना परिलक्षित होती है। कृष्ण को रोके रखने के लिए वे उनसे मज़ाक करती हैं शपथ खाती हैं, भौहें उठकार हँस देती हैं तथा बाँसुरी देने से साफ़ मना कर देती हैं।	3
	3. कवि ने दधीचि व कर्ण आदि दानी पुरुषों का उदाहरण देकर परोपकार व त्याग करने का संदेश दिया है। कवि कहते हैं कि हमें आपसी भेदभाव मिटाकर एक हो जाना	

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
		चाहिए। मानव का जीवन तभी सार्थक माना जाएगा जब वह परोपकार व लोक-हित के कार्य करे।	3
	4.	'इन्द्रजाल' यानी जादू का खेल। पर्वत प्रदेश में वर्षा काल में मौसम बदलता रहता है। प्रकृति पल-पल नए रूप धारण करती है बादलों के छा जाने से कभी चारों ओर धुआँ उठता नजर आता है तो कभी अचानक सूर्य के प्रकट होने से आकाश में बड़ा-सा इंद्रधनुष दिखाई देता है। इन दृश्यों को देखकर लगता है मानो इन्द्रदेवता अपने बादलरूपी विमान में बैठकर प्रकृति के साथ मिलकर जादुई खेल दिखा रहे हों।	3
12.	क.	प्रतिपाद्य - 'तोप' कविता हमें याद दिलाती है कि कभी ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में व्यापार करने के इरादे से आई थी। भारत ने उसका स्वागत भी किया था, लेकिन करते-कराते वह हमारी शासक बन बैठी। उसने कुछ बाग बनवाए तो कुछ तोपें भी तैयार की। भले ही अंग्रेज़ों की तोपों ने इस देश को आज़ाद कराने का सपना साकार करने निकले जाँबाजों को मौत के घाट उतारा था पर एक दिन ऐसा भी आया जब हमारे पूर्वजों ने उस सत्ता को उखाड़ फेंका। तोप को निस्तेज कर दिया। भविष्य के लिए हमें सतर्क रहना चाहिए कि फिर कोई विदेशी हमारे देश में घुसपैठ न कर पाए।	3
	ख.	कवि सीता रूपी भारत माता की रक्षा के लिए देश के युवाओं से राम और लक्ष्मण बन रावण समान शत्रुओं का नाश करने को कहता है अर्थात् वे भारत की पवित्रता को कलंकित करने को उठे हाथों को जड़ से मिटाने को कहता है।	2
13.	क.	पाठ : गिन्नी का सोना, लेखक - रवीन्द्र केलेकर।	1
	ख.	अपने स्वार्थ के लिए हमेशा सजग रहकर हर कार्य से पहले अपने हानि लाभ का हिसाब लगाते हैं। ऐसे चलते पुर्जे लोग जीवन में सफल भी होते हैं।	2
	ग.	खुद ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी सहारा देकर ऊपर ले चलने का काम केवल आदर्शवादी ही कर पाते हैं। वे खुद के साथ-साथ दूसरों के बारे में भी सोचते हैं।	1
	घ.	सत्य, अहिंसा, प्रेम, मानवता जैसे शाश्वत जीवन मूल्य दिए।	1
		अथवा	
	1.	वजीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिन हुड के कारनामे याद आ जाते हैं क्योंकि वे दोनों ही दिलेर, निडर व जाँबाज़ थे।	2

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
	2.	पाँच महीने, उसका उद्देश्य अवध के दरबार को अंग्रेज़ी असर से बिलकुल पाक कर देना था।	2
	3.	विरुद्ध, शासन, पवित्र, सफल	2
14.	क.	आदर्शवादी बड़े भाई में भी अन्य बच्चों की तरह खेलने, पतंगबाजी करने की स्वाभाविक इच्छा है किन्तु छोटे भाई के समक्ष मिसाल कायम करने के लिए वे अपने मन की इच्छाएँ दबाते हैं तथा सोचते हैं कि वे स्वयं बेराह चलेंगे तो छोटे भाई के लिए आदर्श नहीं बन पाएँगे।	3
	ख.	डा. दास गुप्ता जुलूस में घायलों की फ़ोटो भी उतरवा रहे थे क्योंकि फ़ोटो अंग्रेज़ों के अत्याचार का प्रत्यक्ष प्रमाण थी। फोटो इस बात की भी साक्षी थीं कि स्वतंत्रता की लड़ाई में बंगाल में भी बहुत कुछ हो रहा है।	3
	ग.	शैलेन्द्र के गीत आम आदमी के गीत होते हैं। उनके गीत सरल व भावनाओं से भरे हुए होते हैं। वे देशज और आँचलिक शब्दों का प्रयोग भी भरपूर करते हैं। उनके गीत शांत, गंभीर और समुद्र की गहराई लिए होते हैं।	3
	घ.	आचुमेलॉव ने गिरगिट की तरह रंग बदल लिया। जिस कुत्ते पर वे बहुत क्रोधित थे वही अब उसे प्यारा और मासूम डॉगी लगने लगा। जिस ख्यूक्रिन की वे तरफ़दारी कर रह रहे थे वही उसे अब दोषी लगने लगा और उसने उसे खूब डाँटा। वह जानता था कि यदि वह कुत्ते को हानि पहुँचाएगा तो जनरल साहब उसको नौकरी से हटा देंगे।	3
15.	क.	प्राकृतिक संसाधनों की कमी लोगों के लिए आवास स्थानों का अभाव, पेड़ों की कटाई व मौसम चक्र में असंतुलन, सूखा-बाढ़ की समस्या, प्रदूषण में वृद्धि आदि। (छात्रों को किन्हीं तीन प्रभावों व उनके विस्तार पर अंक दिए जाएँ। अन्य प्रभाव भी स्वीकार्य हैं।)	3
	ख.	तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। सबकी सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता।	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
16.	हरिहर काका के कथन से सहमत। उनके भाई और मंहत दोनों जमीन हथियाने हेतु नकली सेवा। न देने पर अमानवीय व्यवहार। अन्नतः काका को मरना स्वीकार किन्तु जमीन देना नहीं। संबंधों में स्वार्थ-लिप्सा आ जाए तो ऐसे संबंधों से किनारा ही श्रेयस्कर है। या कथन पूर्णतया सत्य। स्नेह, प्यार, अपनापन किसी धर्म, जाति का गुलाम नहीं होता। आज टोपी, इफ्फन जैसी मित्रता हो तो साम्प्रदायिक तनाव, दबाव और झगड़े न हों। समाज व देश मजहब की दीवारों में न बँटे।	4
17.	क. (i) आत्म-नियन्त्रण पर बल देना। (ii) प्रोत्साहन एवं प्रेरणा को अनुशासन का मापदंड मानना (iii) छात्रों से स्नेह, सहानुभूति एवं सम्मानपूर्ण व्यवहार करना (iv) शिक्षण-विधियों में रचनात्मकता एवं प्रयोगात्मकता का समावेश करना। (किन्हीं दो बिन्दुओं पर अंक दिए जाएं)	2
	ख. संबधों का आधार आत्मीयता, प्यार, अपनापन है न कि जात-पाँत। प्यार सामाजिक स्तर, रीति-रिवाज, रहन-सहन और खान-पान का गुलाम नहीं। प्यार में रूखा-सूखा भी भी अमृत लगता है। टोपी और इफ्फन की मित्रता की ओर संकेत किया जाता है।	2
	ग. हो सकता है परिवार के सदस्यों के साथ उनके संबंध स्वस्थ होते वे उनके हित और सुख का कारण बनते। उन्हें हरिहर काका के साथ छल, बल का प्रयोग न करना पड़ता। उनमें स्वार्थ-लिप्सा के स्थान पर निःस्वार्थ सम्बन्धों की मिठास होती। संयुक्त परिवार के मापदंडों पर वे खरे उतरते। अपने भाईयों की तरह परिवार का महत्वपूर्ण अंग बन परिवार के विकास में भागीदार होते। (नकारात्मक संबंधों पर तर्क देने पर भी उत्तर स्वीकार्य हो।)	2
	घ. टोपी जैसे बच्चों के लिए सहानुभूति, प्रेमपूर्ण व्यवहार वांछनीय। प्रोत्साहन और प्रेरणा उनके लिए संजीवनी। उन्हें आगे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त सहयोग एवं अवसर देने की आवश्यकता।	2

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2

कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'ब')

समयः 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	20
1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**	12
	ईश्वर के प्रति आस्था वास्तव में जन्मजात न होकर सामान्यतः हमारे घर-परिवार और परिवेश से हमें संस्कारों के रूप में मिलती है और ज्यादातर लोग बचपन में इसे बिना कोई प्रश्न किये ही ग्रहण करते हैं। हमें छह में से सिर्फ एक व्यक्ति ऐसा मिला जिसका कहना है कि वह बचपन से ही ईश्वर के अस्तित्व के प्रति संदेहशील हो चला था, लेकिन पांच ने कहा कि उनके साथ ऐसी स्थिति नहीं थी। जिस व्यक्ति ने यह कहा कि बचन से ही उसने ईश्वर के बारे में अपने संदेह प्रकट करने शुरू कर दिये थे, उसका कहना था कि ऐसा उसने शायद अपने आसपास के जीवन में सामाजिक विसंगतियाँ देखकर किया होगा, क्योंकि उसके सवालों के स्रोत यही थे। एक तरफ उसने पाया कि धार्मिक पुस्तकें और धार्मिक लोगों के कथनों से कुछ और बात निकलती है, लेकिन जो आसपास के वातावरण में उन्हें देखने को मिलता है तथा ये धार्मिक लोग स्वयं जो व्यवहार करते हैं वह कुछ और है, लेकिन बाकी पांच ने सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों और ईश्वर के प्रति आस्था में अंतर्संबंध पहले नहीं देखे थे। जिन लोगों ने ईश्वर में आस्था बाद में खो दी, उन्होंने माना कि इसका मूल कारण उनका पुस्तकों से बचपन से ही संपर्क में आना रहा है। बाद में निरीश्वरवादी विचारों तथा नास्तिकों के संपर्क में आने से ईश्वर के प्रति उनकी आस्था मजबूत हुई, उसे एक निश्चित दिशा मिली। वे नहीं मानते कि उनके इस जीवन में बाद में कभी ऐसा कोई समय भी आ सकता है, जब वे ईश्वर की तरफ पुनः लौटने की बाध्यता महसूस करेंगे, हालांकि वे स्वीकार करते हैं कि उन्होंने ऐसे लोगों को भी देखा है, जो अपने युवाकाल में घनघोर नास्तिक थे, मगर जीवन के अंतिम दौर तक आकर घनघोर आस्तिक बन गये। आस्तिकों का कहना है कि ईश्वर के विरूद्ध कोई कितने ही मजबूत तर्क पेश करे, उनकी ईश्वर में आस्था कभी कमजोर नहीं पड़ेगी। तर्क वे सुन लेंगे, लेकिन ईश्वर नहीं है, इस बात को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं करेंगे। उनका मानना है कि तर्क से ईश्वर को पाया नहीं जा सकता, वह तो तर्कातीत है। दूसरी तरफ जिन्होंने ईश्वर में अपनी आस्था खो दी है, उनका कहना है कि उन्होंने अपनी नवअर्जित नास्तिकता के कारण अपने परिवार और समाज में अकेला पड़ जाने	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	का खतरा भी उठाया है लेकिन धीरे-धीरे अपने परिवार में उन्होंने ऐसी स्थिति पैदा कर ली है कि उन्हें इस रूप में स्वीकार किया जाने लगा है। यह पाया गया कि ईश्वर में व्यक्ति की आस्था को कायम रखने के लिए तमाम तरह का संस्थागत समर्थन निरंतर मिलता रहता है, जबकि इसके विपरीत स्थिति नहीं है। वे संस्थाएँ भी ईश्वर और धर्म के प्रति प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आस्था पैदा और मजबूत करने की कोशिश करती हैं, जिनका कि प्रत्यक्ष रूप से धर्म से कोई संबंध नहीं है। जैसे परिवार, पास-पड़ोस, स्कूल, अदालतें, काम की जगहें आदि। एक साथी ने बताया कि वे एक ऐसे कालेज में काम करते थे, जहां रोज सुबह ईश्वर की प्रार्थना गाई जाती है, जिससे छात्र-छात्राएं तो किसी तरह बच भी सकते हैं, लेकिर अध्यापक नहीं, अगर वे बचने की कोशिश करते हैं, तो उनकी नौकरी खतरे में पड़ सकती है।	
	1. ईश्वर के प्रति आस्था हम कहाँ से ग्रहण करते हैं?	1
	2. छह में से एक व्यक्ति के ईश्वर के प्रति संदेहशील हो उठने का क्या कारण था।	1
	3. ईश्वर के प्रति आस्था खो देने का क्या कारण था?	1
	4. आस्तिकों का क्या कहना है?	1
	5. नास्तिक हो जाने से व्यक्ति क्या हानि उठता है?	1
	6. ऐसे कौन से स्थान या संस्थाएँ हैं जो आपकी दृष्टि में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ईश्वर में आस्था पैदा कर सकती है?	1
	7. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।	1
	8. 'इक' प्रत्यक्ष से अनुच्छेद-1 में से दो शब्द छाँटिए।	1
	9. दिए गए शब्दों के समानार्थी गद्यांश-2 में से छांटिए - दशा, जोखिम।	1
	10. दिए गए शब्दों के विलोम लिखिए - आस्था, परोक्ष।	1
	11. 'ईश्वर' और 'घर' के दो-दो पर्यायवाची लिखिए।	2
प्र.2	**निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें -** चौड़ी सड़क गली पतली थी दिन का समय घनी बदली थी रामदास उस दिन उदास था	8

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	अन्त समय आ गया पास था उसे बता यह दिया गया था उसकी हत्या होगी। धीरे-धीरे चला अकेले सोचा साथ किसी को ले ले फिर रह गया, सड़क पर सब थे सभी मौन थे सही निहत्थे सभी जानते थे यह उस दिन उसकी हत्या होगी। खड़ा हुआ वह बीच सड़क पर दोनों हाथ पेट पर रख कर सधे कदम रख करके आए लोग सिमट कर आँख गड़ाए लगे देखने उसको जिसकी तय था हत्या होगी। निकल गली से तब हत्यारा आया उसने नाम पुकारा हाथ तौलकर चाकू मारा छूटा लोहू का फव्वारा कहा नहीं था उसने आखिर उसकी हत्या होगी? (रघुवीर सहाय संचयिता) संपादक - कृष्ण कुमार	
	प्रश्न-पत्रक	
	(i) प्रस्तुत कविता का उचित शीर्षक दीजिए।	1
	(ii) रामदास के उदासी का क्या कारण था?	1
	(iii) रामदास की हत्या के समय का वर्णन किन काव्य-पंक्तियों में किया गया है?	1
	(iv) रामदास अपने साथ किसी को लेते-लेते क्यों रुक गया।	1
	(v) सड़क पर हत्या होने से क्या मतलब है?	1
	(vi) 'आँख गड़ाए' शब्द का अर्थ बताइए तथा संबंधित मुहावरे को पुनः लिखें।	1
	(vii) जनता के सामने एक आम आदमी की हत्या किस बात की सूचक है?	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	अथवा	
1.	सतपुड़ा के घने जंगल नींद में डूबे हुए से ऊँघते अनमने जंगल।	
2.	झाड़ ऊँचे और नीचे चुप खड़े हैं आँख मींचे; घास चुप है, काश चुप है मूक शाल, पलाश चुप है; बन सके तो धँसो इनमें, धँस न पाती हवा जिनमें, सतपुड़ा के घने जंगल नींद में डूबे हुए से ऊँघते, अनमने जंगल!	
3.	सड़े पत्ते, गले पत्ते हरे पत्ते, जले पत्ते वन्य पथ को ढक रहे - से चंपक दल में पले पत्ते, चलो इन पर चल सको तो दलो इनको दल सको तो ये घिनौने-घने जंगल, नींद में डूबे हुए से ऊँघते, अनमने जंगल!	
4.	अटपटी उलझी लताएँ डालियों को खींच लाएँ, पैर को पकड़ें अचानक, प्राण को कस लें कँपाएँ, साँप-सी काली लताएँ, बला की पाली लताएँ, लताओं के बने जंगल, नींद में डूब हुए से ऊँघते अनमने जंगल। (साभार - भवानीप्रसाद संचयिता, सं. प्रभाव त्रिपाठी)	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	प्रश्न-पत्रक	
	(i) प्रस्तुत कविता का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
	(ii) सतपुड़ा के जंगल के अनमने होने के दो क्या कारण हैं?	1
	(iii) 'धँस न पाती हवा' का क्या अर्थ है और यह किसका प्रतीक है?	1
	(iv) लताओं की तुलना किससे और क्यों की गई है?	1
	(v) जंगल को घिनौना क्यों कहा गया है?दो कारण बताइए।	1
	(vi) 'घिनौने जंगल से संबंधित पंक्ति का उल्लेख कीजिए।	1
	(vii) 'नींद में डूबे हुए से' के बार-बार प्रयोग का क्या अर्थ है?	2
	खड - ख	**10**
3.	**सर्व शिक्षा अभियान के प्रोत्साहन हेतु विद्यालय में रात्रि कालीन प्रौढ़ शिक्षा की व्यवस्था करवाने की अनुमति माँगते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।**	
	या	
	झुग्गी झोपड़ी बस्ती में सामान्य सुविधाओं को जुटाने की प्रार्थना करते हुए दिल्ली नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए।	5
4.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-**	
क.	**सपने में चाँद की यात्रा**	
	(i) भूमिका (ii) सपने में चाँद पर जाना (iii) चाँद पर पहुँचने के बाद के अनुभव (iv) स्वप्न-भंग के पश्चात् की स्थिति एवं अनुभव	
ख.	**ग्लोबल वार्मिंग के खतरे**	
	(i) ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ (ii) ग्लोबल वार्मिंग के खतरे (iii) उनके प्रभाव (iv) बचाव हेतु उपाय	
ग.	**मेरा मनपसंद रियलटी शो**	
	(i) रियलटी शोज़ का अर्थ (ii) विविध प्रकार के शोज़ के नाम (iii) मनपसंद शो का नाम (iv) शो की विशेषताएं एवं प्रस्तुति	5

प्र.सं.	प्रश्न		अंक
	खंड - ग		**20**
5.	**निम्नलिखित वाक्य से पदबंध छाँट कर लिखिए -**		
	क.	सफेद घोड़े पर बैठा हुआ सैनिक साहसी है।	1
	ख.	दो पदबंधों के नाम लिखकर उदाहरण दीजिए।	2
	ग.	रेखांकित का पद-परिचय दीजिए - शाहजहां ने <u>ताजमहल</u> बनवाया था।	1
6.	**क.**	**रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए -**	
		(i) राधा बाजार गई और खादी की साड़ी खरीद लाई।	1
		(ii) जब अध्यापक आएंगे तब हम पढ़ेंगे।	1
	ख.	**निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए -**	**2**
		(i) जेसे ही मैं घर से निकला वैसे ही बड़े ज़ोरों की आँधी चलने लगी। (संयुक्त वाक्य)	
		(ii) लोग टोलियाँ बना कर मैदान की ओर चलने लगे। (मिश्र वाक्य)	
7.	**निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -**		
	(i)	परीक्षा + अर्थी, चन्द्र + उदय (संधि कीजिए।	1
	(ii)	सदैव, सप्तर्षि (संधि-विच्छेद कीजिए)	1
	(iii)	पथभ्रष्ट (विग्रह करके समास का नाम बताइए)	1
	(iv)	हमारा राष्ट्रीय ध्वज <u>तिरंगा</u> है। (रेखांकित पद के समास का नाम बताइए)	1
8.	**क.**	**निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति उचित लोकोक्ति लगाकर कीजिए -**	2
	(i)	एक बार अतुल झूठ बोलकर पैसे उधार ले गया, अब मैं उसकी चाल में आने वाला नहीं। वह जानता नहीं	
	(ii)	जब तक तुम उस नालायक की खिंचाई नहीं करेगा, वह सच बताने वाला नहीं क्योंकि	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	ख. स्तंभ 'क' में दिए हुए मुहावरों को स्तंभ 'ख' में दिए हुए मुहावरो से मिलाइए -	**2**
	स्तंभ 'क' — स्तंभ 'ख'	
	(i) रंग में भंग डालना — (i) छोटी बात को बहुत अधिक बढ़ाना	
	(ii) सिर पर खून सवार होना — (ii) संदेह होना	
	(iii) राई का पहाड़ बनाना — (iii) जान लेने पर उतारू होना	
	(iv) दाल में काला होना — (iv) खुशी में बाधा डालना	
9.	**निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए -**	**4**
	क. उन सबों ने क्रिकेट मैच जीत लिया।	
	ख. दस आदमी ने नाव से नदी पार किया	
	ग. आपका दर्शन पाना कठिन है।	
	घ. सरदार भगतसिंह ने फाँसी पर चढ़ना पड़ा।	
	खंड 'घ'	**50**
10.	**निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**	**6**
	विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी, मरो, परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी। हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे वृथा जिए, मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए। वही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।	
	1. कवि तथा कविता का नाम लिखिए।	1
	2. कवि के अनुसार कैसा व्यक्ति मरकर भी अमर हो जाता है?	1
	3. 'पशु-प्रवृत्ति' से क्या तात्पर्य है?	2
	4. कवि ने किस प्रकार के मनुष्यों को मनुष्यता के लक्षणों से परे माना है?	1
	5. 'मर्त्य' किसे कहा गया है?	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	अथवा	
	कहलाने एकत बसत अहि, मयूर, मृग, बाघ। जगतु तपोबन सौ कियौ, दीरघ दाघ-निदाघ। बैठि रही अति सघन बन पैठि सदन-तन माँह। देखि दुपहरी जेठ की, छाँहों चाहति छाँह।।	
क.	प्रस्तुत दोहों मे कवि बिहारी ने किस ऋतु का वर्णन किया है?	1
ख.	विरोधी स्वभाव वाले जानवर कौन-कौन से हैं?किन परिस्थितियों के कारण वे एक साथ रहने को बाध्य है? स्पष्ट करें।	1
ग.	तपोवन की क्या विशेषता होती है।	1
घ.	दूसरों को शीतलता देने वाली छाया स्वयं छाँव ढूँढने के लिए क्यों विवश है? स्पष्ट कीजिए।	2
ङ	प्रस्तुत दोहे किस भाषा में लिखे गए हैं?	1
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (3+3+3)**	**9**
	1. कबीर के दोहों को साखी कहा जाता है। क्यों?	
	2. विरासत में मिली चीजों की सँभाल करने के पीछे क्या उद्देश्य है?	
	3. मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप सौन्दर्य का वर्णन कैसे किया है?	
	4. गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रह जाते हैं?	
12.	**क. 'कर चले हम फ़िदा' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।**	**3**
	ख. 'आत्मत्राण' कविता की प्रार्थना अन्य प्रार्थना गीतों से अलग कैसे है?	**2**
13.	**निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**	**6**
	बड़े बाजार के प्राय: सभी मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था और कई मकान तो ऐसे सजाए गए थे कि ऐसा मालूम होता था कि मानो स्वतन्त्रता मिल गई हो। कलकत्ते के प्रत्येक भाग में ही झंडे लगाए गए थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे, उसी रास्ते में उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। लोगों का कहना था कि ऐसी सजावट पहले नहीं हुई। पुलिस भी अपनी पूरी ताकत से शहर में गश्त देकर प्रदर्शन कर रही थी। मोटर लारियों में गोरखे तथा सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	तैनात थे। कितनी ही लारियाँ शहर में घुमाई जा रही थीं। घुड़सवारों का प्रबंध था। कहीं भी ट्रेफिक पुलिस नहीं थी, सारी पुलिस को इसी काम में लगाया गया था। बड़े-बड़े पार्कों तथा मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था।	
1.	पाठ तथा लेखक का नाम बताइए।	1
2.	रास्तों पर उत्साह व नवीनता के कारणों को स्पष्ट करें।	2
3.	पुलिस की गतिविधियाँ कैसी थीं?	2
4.	पार्कों और मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही क्यों घेर लिया था?	1
	अथवा	
	आज न तताँरा है न वामीरो किन्तु उनकी यह प्रेमकथा घर-घर में सुनाई जाती है। निकोबारियों का मत है कि तताँरा की तलवार ने कार निकोबार के जो टुकड़े हुए उसमें दूसरा लिटिल अंदमान है जो कार-निकोबार से आज 96 कि.मी. दूर स्थित है। निकोबारी इस घटना के बाद दूसरे गाँवों में भी आपसी वैवाहिक संबंध करने लगे। तताँरा वामीरों की त्यागमयी मृत्यु शायद इसी सुखद परिवर्तन के लिए थी।	
1.	तताँरा-वामीरो की प्रेमकथा को आज भी उस द्वीप के निवासी गर्व और श्रद्धा के साथ क्यों याद करते हैं?	2
2.	निकोबारियों का लिटिल अंदमान के विषय में क्या कहना है?	2
3.	तताँरा - वामीरो की मृत्यु को त्यागमयी क्यों कहा गया है?	2
14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** 3+3+3	9
	1. 'तीसरी कसम' के आलोक में कलाकार के दायित्व को स्पष्ट करें।	
	2. 'गिरगिट' कैसे व्यक्तियों का कहा जा सकता है?	
	3. क्या आपकी माँ भी लेखक की माँ की तरह कुछ कामों को करने से मना करती है? वे कौन-कौन से काम हैं?	
	4. लेखक ने जापानियों के दिमाग में 'स्पीड' का इंजन लगने की बात क्यों कही है?	
15.	**क. बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्वपूर्ण कहा है?**	**3**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	ख. "दरअसल इस फिल्म की संवदेना किसी दो से चार बनाने वाले की समझ से परे है।" आशय स्पष्ट करें।	2
16.	**'अम्मी' शब्द सुनकर टोपी के घर वालों की क्या प्रतिक्रिया हुई? क्या आप उससे सहमत हैं? तर्क दीजिए।**	**4**
	या	
	समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर बताइए।	
17.	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (3x2)**	**6**
	क. लेखक के जीवन में ननिहाल की कौन-कौन सी यादें सिमटी हुई थीं? 'सपने के से दिन' पाठ के आधार पर बताइए।	
	ख. इफ्फन की दादी को ससुराल और पीहर में क्या-क्या अन्तर दिखाई दिए? (पाठ-टोपी शुक्ला)	
	ग. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं?कहानी के आधार पर बताइए।	
	घ. यदि आप टोपी शुक्ला होते तो शिक्षा व्यवस्था में कौन-कौन से दो बदलाव चाहते।	

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2
कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'ब')

समय: 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
		खण्ड 'क'	
1	1.	ईश्वर के प्रति हम आस्था घर-परिवार, परिवेश से संस्कारों के रूप में गहण करते हैं।	1
	2.	छह में से एक व्यक्ति ऐसा मिला जिसका कहना है कि वह बचपन से ही ईश्वर के अस्तित्व के प्रति संदेहशील हो चला था।	1
	3.	ईश्वर के प्रति आस्था खोने का कारण निरीश्वरवादी विचारों तथा नास्तिकों के संपर्क में आना था।	1
	4.	आस्तिकों का कहना है कि ईश्वर के विरुद्ध कोई कितने ही मजबूत तर्क पेश करे, उनकी ईश्वर में आस्था कभी कमजोर नहीं पड़ेगी।	1
	5.	नास्तिक व्यक्ति परिवार और समाज में अकेले पड़ जाने की हानि उठता है।	1
	6.	परिवार, पास-पड़ोस, स्कूल अदालतें, काम करने के स्थान आदि ऐसे स्थान है जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ईश्वर में आस्था पैदा कर सकते हैं।	1
	7.	शीर्षक - ईश्वर के प्रति आस्था / आस्था और अनास्था का प्रश्न।	1
	8.	इक - आर्थिक, धार्मिक (अनुच्छेद - 1)	1
	9.	दशा - हालत, जोखिम - खतरा (अनुच्छेद 2)	1
	10.	अनास्था, प्रत्यक्ष	1
	11.	हरि, प्रभु / आलय, सदन।	2
	उत्तर-पत्रक		
	(i)	'रामदास' (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी मान्य)	1
	(ii)	अपनी हत्या की जानकारी होने तथा किसी अन्य द्वारा कोई मदद न मिलने के कारण।	1

प्र.सं.	प्रश्न		अंक
	(iii)	चौड़ी सड़क गली पतली थी, दिन का समय धनी बदली थी।	1
	(iv)	उसके साथ कोई चलने के लिए शायद तैयार नहीं होता।	1
	(v)	सड़क पर हत्या होने का अर्थ सबके सामने हत्या होना है। आम आदमी की असुरक्षा का बोध है।	1
	(vi)	आँख गड़ाना - बहुत ध्यान से देखना।	1
	(vii)	शासन और सत्ता की असफलता, आम आदमी का अकेलापन, भीड़ में असहाय होना, जनता की नपुंसकता का परिचायक है।	2
		अथवा	
	(i)	सतपुड़ा के जंगल (भाव सहित कोई अन्य)	1
	(ii)	ऊँघने और नींद में होने के कारण जंगल अनमने हैं।	1
	(iii)	जंगल के घने होने के कारण हवा भी उसमें प्रवेश नहीं कर पाती। 'घने जंगल' - कठिन परिस्थितियों का प्रतीक है।	1
	(iv)	लताओं की तुलना साँप से ही गई है। झाड़-झंखार तथा लताओं से बने घने जंगल भयावह हैं।	1
	(v)	सड़े-गले पत्तों के कारण तथा पंक में सने होने के कारण।	1
	(vi)	ये घिनौने घने जंगल नींद में डूबे हुए से ऊँघते अनमने जंगल।	1
	(vii)	जंगल की भयावहता, अंधेरा तथा घने होने के कारण।	2
		खंड ख	
3.	क.	आरंभिक एवं समापन औपचारिकताएं	1
	ख.	विषय वस्तु	3
	ग.	भाषीय शुद्धता	1

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
4.	क.	विषय वस्तु	2
	ख.	अभिव्यक्ति	2
	ग.	भाषीय शुद्धता	1
		खंड 'ग'	
5.	क.	सफेद घोड़े पर बैठा हुआ या सफेद घोड़े पर बैठा हुआ सैनिक।	1
	ख.	किन्हीं दो पदबंधो और उनके उपयुक्त उदाहरण।	2
	ग.	संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, एक वचन, पुलिंग, कर्मकारक।	1
6.	क.	(i) संयुक्त वाक्य	
		(ii) मिश्र वाक्य	2
	ख.	(i) मैं घर से निकला और जोरों की आंधी चलने लगी।	
		(ii) जैसे ही लोगों ने टोलियाँ बनाइ, वे मैदान की ओर जाने लगे।	2
		या	
		जब लोगों ने टोलियाँ बनाई तब वे मैदान की ओर जाने लगे।	
7.	क.	परीक्षार्थी, चंद्रोदय	1
	ख.	सदा+एव, सप्त+ऋषि	1
	ग.	पथ से भ्रष्ट - अपादान तत्पुरुष	1
	घ.	बहुब्रीहि समास	1
8.	क.	(i) काठ की हाँडी बार-बार नहीं चढ़ती	2
		(ii) लातों के भूत बातों से नहीं मानते।	
	ख.	(i) रंग में भंग डालना = खुशी में बाधा डालना	2
		(ii) सिर पर खून सवार होना = जान लेने के लिए उतारू होना।	
		(iii) राई का पहाड़ बनाना = छोटी बात को बहुत अधिक बढ़ाना।	
		(iv) दाल में काला होना = संदेह होना।	

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
9.	क.	इन सब ने मैच जीत लिया।	1
	ख.	दस आदमियों ने नाव से नदी पार की।	1
	ग.	आपके दर्शन पाना कठिन है।	1
	घ.	सरदार भगतसिंह को फाँसी पर चढ़ना पड़ा।	1
10.	1.	कवि – मैथिलीशरण गुप्त	1
		कविता – मनुष्यता	
	2.	शरीर नश्वर है किन्तु दूसरों के लिए हितकर कार्य करके व अपना जीवन निःस्वार्थ भाव से दूसरों की भलाई में लगाने वाला व्यक्ति मरकर भी अमर हो जाता है।	1
	3.	'पशु-प्रवृति' यानि पशु जैसा स्वभाव। जिस प्रकार पशु चरागाह में अपने अपने हिस्से का चर आते हैं, इसी प्रकार जो मनुष्य केवल अपने बारे में ही सोचते हैं वे स्वार्थी होते हैं। ऐसे ही लोगों को पशु-प्रवृत्ति वाला माना जाता है।	2
	4.	केवल अपनों के लिए जीने-मरने वाले मनुष्यता के लक्षणों से परे हैं। वास्तव में मनुष्य वही है जो दूसरों के हिताहित का भी ध्यान रखते हैं।	1
	5.	'मर्त्य' का अर्थ है – मरणशील। यह संसार क्षणभंगुर है। अतः मनुष्य भी नश्वर है। इस पद्य में मनुष्य को ही मर्त्य कहा गया है।	1
		अथवा	
	क.	ग्रीष्म ऋतु/ज्येष्ठ मास की प्रचंड धूप का वर्णन है।	1
	ख.	सांप, मोर, हिरण और बाघ। गर्मी के कारण वे सभी छाँव ढूँढ रहे हैं तथा एक जगह प्रेम-भाव से रहने पर बाध्य है।	1
	ग.	तपोवन में ऋषि मुनि रहते हैं। वहाँ प्रेम, शांति व अहिंसा का वातावरण होता है।	1
	घ.	छाया स्वयं जंगल में या फिर वृक्षों के तने रुपी भवनों में छाँव ढूँढती है। ग्रीष्म ऋतु में प्रंचड गर्मी पड़ रही है जिसके कारण छाया को भी छाँव की आवश्यकता पड़ती है।	2
	ङ	प्रस्तुत दोहे मानक ब्रज भाषा में लिखे गए हैं।	1
11.	1.	'साक्षी' शब्द साक्ष्य से बना है। जिसका अर्थ है – प्रत्यक्ष ज्ञान। यह प्रत्यक्ष ज्ञान गुरु	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	शिष्य को प्रदान करता है। कबीर ने भी जगह-हगह भ्रमण कर प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया, जो उन्होंने दोहों के माध्यम से आम लोगों तक पहुँचाया।	3
	2. विरासत में मिली चीजें देश व समाज की परम्परा या इतिहास से जुड़ी होती हैं। ये इतिहास की सच्चाइयों को नई पीढ़ी के सामने रखती है।गलतियों से सीख मिलती है व अच्छाइयों का मान होता है।	3
	3. मीरा के प्रभु श्याम सलोने हैं। उन्होंने पीले रंग के वस्त्र पहने हैं तथा माथे पर मोर का पंख मुकुट की भाँति सजा रखा है। गले में वैजंती माला सुशोभित है तथा ओठों पर अमृत वर्षा करने वाली मुरली सुशोभित है।	3
	4. गीत गीतकार के हृदय की आवाज होती है, जो आम आदमी के मन में समा, अपना स्थान बना लेती है। गीत मन को झकझोर कर यह प्रतीति करा देते हैं कि वह केवल गीतकार की ही नहीं जन-जन के हृदय की आवाज है। ऐसे हृदय स्पर्शी गीत जीवनभर याद रह जाते हैं।	3
12.	क. देश भक्ति की भावना में डूबी इस कविता में कवि अपने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सैनिक के हृदय की आवाज़ बयान करता है, जिन्हें अपने किए-धरे पर नाज़ है। साथ ही वे देशवासियों से त्याग और बलिदान की इस परम्परा को कायम रखने की अपेक्षा रखते हैं। 3	
	ख. अन्य प्रार्थना गीतों में सीधे ही ईश्वर से दुखों को दूर करने की बात कही जाती है। सुख-समृद्धि व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है किन्तु इस गीत में कवि यह बिलकुल नहीं चाहते कि ईश्वर उन्हें सब कुछ दे दे। कवि कर्म करना चाहता है वह ईश्वर से संघर्ष करने की हिम्मत माँगता है। वह सहारा बनने को नहीं बल्कि प्रेरक बनने की प्रार्थना करता है।	2
13.	1. पाठ = डायरी का एक पन्ना लेखक = सीताराम केसरिया	1
	2. कलकत्ता में दूसरा स्वतंत्रता दिवस बहुत उत्साह से मनाया। मकानों पर राष्ट्रीय झण्डे लगाए गए व इस तरह सजाया गया मानो स्वतंत्रता मिल ही गई हो इसी कारण लोगों में नवीनता तथा जोश भरा हुआ था। वे देश के लिए मानो मर मिटने को तैयार थे।	2

प्र.सं.		प्रश्न	अंक
	3.	पुलिस अपनी पूरी ताकत से पूरे शहर पर नज़रे रखे हुए थी। गोरखे व सारजेंट प्रत्येक मोड़ पर तैनात थे। ट्रेफिक पुलिस को भी इसी काम में लगा दिया गया था। लारियों में बैठी पुलिस चौकस थी।	2
	4.	पुलिस को डर था कि पार्कों और मैदानों में जनसाधारण एकत्रित न हो जाए किसी सभा का आयोजन कर कानून भंग करने में सफल न हो जाए।	1
		अथवा	
	1.	तताँरा और वामीरो ने समाज के लिए अपने प्रेम का, अपने जीवन तक का बलिदान कर दिया था। तत्कालीन समाज के सामने एक मिसाल कायम करने के कारण उस द्वीप के निवासी उन्हें गर्व और श्रद्धा के साथ याद करते हैं।	2
	2.	निकोबारियों का कहना है कि तताँरा की तलवार से कार-निकोबार के जो टुकड़े हुए, उसमे दूसरा लिटिल अंदमान है जो कार निकोबार से आज 96 किमी दूर है।	2
	3.	तताँरा वामीरो ने अपने द्वीप, जहाँ विद्वेष अपनी गहरी जड़ें जमा चुका था। उस विद्वेष को जड़-मूल से उखाड़ने के लिए अपना आत्मबलिदान दिया था। इसलिए उनकी मृत्यु को त्यागमयी कहा है।	2
14.	1.	दर्शकों की रुचि की आड़ में कलाकार को उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए। कलाकार का कर्तव्य है कि वह दर्शकों, उपभोक्ताओं की रूचियों को सँवारे, उनका परिष्कार करें, और उन्हें स्तरीय व नीति सम्बन्धी फिल्में ही दिखाएँ।	3
	2.	आचुमेलॉव जैसे व्यक्तियों को गिरगिट कहा जा सकता है। वह गिरगिट की तरह अपना रंग बदलता रहता है। जब तक उसे पता नहीं था कि कुत्ता जनरल साहब का है या उनके भाई का है वह कुत्ते और उसके मालिक को कड़ी सजा दिलवाने की बात करता है किन्तु कुत्ते की सच्चाई का पता चलते ही वह अपने रंग-ढंग तुरंत बदल लेता है।	3
	3.	हाँ, जैसे - बुरी संगत से बचो, झूठ मत बोलो, चोरी मत करो, 'कम्प्यूटर-गेम्स' ज्यादा मत खेलो, 'समय व्यर्थ न गँवाओ आदि। (अन्य भी स्वीकार्य हों।)	3
	4.	अमरीका से प्रतिस्पर्धा की होड़ में जापानी कम समय में अधिक काम करके जल्दी से जल्दी ऊँचाइयों को छूना चाहते हैं। वे महीनों का काम एक दिन में समाप्त करना चाहते हैं। इसलिए उनके दिमाग में 'स्पीड का इंजन' लगने की बात कही है।	3

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
15.	क. बड़े भाई साहब ज़िन्दगी के अनुभव को अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। सफल जीवन जीने के लिए अनुभव की आवश्यकता होती है। (लेखक की माँ, उनके दादाजी या हेडमास्टर साहब की बूढ़ी माँ का उदाहरण देकर छात्र स्पष्ट करें) 1+2	3
	ख. आजकल निर्माताओं द्वारा फिल्में पैसा कमाने के लिए बनाई जाती हैं परन्तु 'तीसरी कसम' फिल्म पैसा तथा यश कमाने के लिए नहीं अपितु आत्म संतुष्टि के लिए बनाई गई थी।	2
	16. वे स्तब्ध, विस्मित हुए। सुभद्रादेवी खाने की मेज़ से उठ गई और रामदुलारी ने टोपी को खूब मारा। उन्हें अपनी परम्परा की दीवार डोलती दिखाई पड़ी। (सहमत हैं या नहीं हैं छात्रों के विचार स्वीकार्य हों)	4
	या	
	मनुष्य सामाजिक प्राणी – कई आधारों पर संबंध। कुछ संबंध स्थायी, कुछ अस्थायी। भावात्मक संबंध अहमियत रखने वाले जबकि स्वार्थ भावना पर आधारित आर्थिक सम्बन्ध अस्थायी। आज भावात्मक संबंध विलुप्त। जैसे हरिहर काका के भाईयों द्वारा विश्वासघात, दुर्व्यवहार, बाहरी सेवा का दिखावा एवं महंतो द्वारा अमानवीय आचरण इस बात का प्रमाण।	4
17.	क. हर साल माँ के साथ छुट्टियों में ननिहाल जाना। नानी द्वारा दूध-दही, मक्खन खिलाना, प्यार करना, दोपहर तक तालाब पर नहाना और पश्चात् इच्छानुसार खाना। लेखक के खाने एवं बोलने की नकल पोतों को करने के लिए नानी द्वारा कहने – जैसी यादें सिमटी हुई थीं।	2
	ख. (i) ज़मींदार की बेटी पर, मौलवी घर में ब्याही थी। (ii) पीहर में दूध घी खाती थी पर ससुराल में इन चीजों को तरस गई। (iii) पीहर में स्वतंत्र अनुभव करतीं पर ससुराल में उनकी आत्मा बेचैन रहती। (iv) पीहर की पूरबी भाषा सुनने-समझने वाला कोई नहीं, ससुराल में उर्दू भाषा का प्रयोग (कोई दो बिन्दु स्वीकार्य हो)	2
	ग. अनपढ़ होने पर भी जीवन के अनुभव और व्याहारिक ज्ञान पर व्यापक जानकारी के कारण उन्हें संबधों के विषय में व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त थे और अब उन्हें मृत्यु का इतना डर न था जितना धोखे और विश्वासघात का।	2
	घ. (i) शिक्षा (परीक्षा) प्रणाली में परिवर्तन चाहते	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(ii) विशेष सहायता या मार्ग–दर्शन चाहते	2
	(iii) शिक्षा पद्धति में प्रेम, सहानुभूति और प्रेरणा को स्थान देना चाहते (शिक्षकों के माध्यम से)	2
	(iv) शिक्षा स्तर में सुधार हेतु उपयुक्त अवसर और सुविधा जुटाने का प्रयास चाहते।	2